3ZB4NP

पाठ 14

कौन जीता ?

'घमंडी का सिर नीचा' कहावत हमें सिखाती है कि हम कभी घमंड न करें और न ही अपनी प्रशंसा अपने मुँह से करें; दूसरों के गुणों को अपनाएँ। इस पाठ में एक घमंडी कौए और हंस की कहानी है। हंस के बच्चे ने कौए का घमंड कैसे चूर किया, इस कहानी में पढ़ेंगे।

गंगा नदी के किनारे बरगद का एक पेड़ था। उस पेड़ पर एक कौआ भी रहता था। वह बड़ा घमंडी था। एक दिन सुबह–सुबह तीन हंस बरगद के नीचे आकर बैठ गए। उनको देखकर कौआ बोला– ''अरे! आप लोग यहाँ क्यों बैठे हैं? क्या यह बरगद आपका है?'' एक हंस बोला– ''भाई, हम हंस हैं। मानसरोवर से आ रहे हैं। थोड़ी देर आराम करके यहाँ से चले जाएँगे।'' कौआ फिर बोला– ''तुम लोग उड़ना भी जानते हो या नहीं? मैं तो पचासों तरह की उड़ानें जानता हूँ। दम हो तो मेरे साथ उड़ लो।''

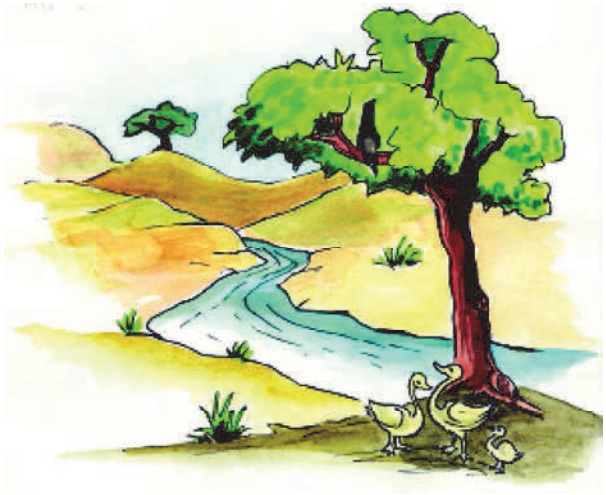

हंसों में से एक अभी बच्चा ही था। उससे अब नहीं रहा गया। वह बोला– ''भैया, मुझे तो केवल एक ही उड़ान आती है। अगर उड़ना चाहो तो उड़ लो।''

कौए ने कहा– ''बस, एक ही उड़ान; खैर उसे ही देखूँगा।'' दोनों गंगा नदी के ऊपर उड़ने लगे, कौआ आगे–आगे, हंस का बच्चा पीछे–पीछे। दोनों उड़ते रहे, उड़ते रहे। कौआ हंस के बच्चे से बोला– ''क्यों, थक गए क्या?'' हंस के बच्चे ने कहा– ''नहीं, उड़ते चलो।'' आखिर कौआ उड़ते–उड़ते थक गया। उसका दम फूलने लगा। अब तो वह नदी में गिरने को हुआ। हंस के बच्चे ने हँसकर पूछा– ''पचासों तरह की उड़ानों में से यह तुम्हारी कौन–सी उड़ान है ?'' कौआ बोला– ''भैया, मैं तो मर रहा हूँ। तुम्हें उड़ान की पड़ी है।'' हंस के बच्चे को कौए पर दया आ गई। उसने कौए को अपनी पीठ पर बैठा लिया । फिर वह बोला –''अब मेरी उड़ान देखो।''

हंस का बच्चा कौए को लेकर बहुत ऊँचा उड़ गया । पीठ पर बैठा कौआ डर के मारे काँपने लगा। उसने तो अभी तक बरगद के आसपास ही चक्कर लगाए थे। गिड़गिड़ाते हुए वह बोला – ''भैया, मुझे तो जल्दी से बरगद पर पहुँचा दो, फिर तुम उड़ान भरना।'' हंस का बच्चा बोला – ''अभी तो तुम बड़ी–बड़ी बातें कर रहे थे, अब क्या हुआ?'' कौआ कुछ न बोला।

अंत में हंस का बच्चा बरगद की ओर लौट पड़ा। कौआ झट से उड़कर बरगद की डाल पर चुपचाप बैठ गया। कौए को अपने अहंकार पर बहुत पछतावा हुआ।

शब्दार्थ

घमंडी – जिसे बहुत घमंड हो, अभिमानी

उड़ान – उड़ने की क्रिया

गिड़गिड़ाना – दया की भीख माँगना।

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. हंस बरगद के पेड़ के नीचे क्यों बैठे थे ?

प्र.2. कौए ने हंसों से क्या कहा ?

प्र.3. हंस के बच्चे ने कौए की चुनौती क्यों स्वीकार की ?

प्र.4. उड़ान के अंत में कौन जीता ?

प्र.5. हंस ने अपने बच्चे से पूछा होगा– ''बेटा, उड़ान में क्या हुआ?'' तो हंस के बच्चे ने क्या जवाब दिया होगा? सोचकर लिखो ।

प्र.6. यदि हंस के बच्चे ने कौए की मदद नहीं की होती तो कौए की क्या दशा होती?

प्र.7. तुम्हें अपने दोस्त में कौन–से गुण अच्छे लगते हैं?

प्र.8. किसने, किससे कहा ?

क– ''क्या यह बरगद आपका है?''

ख– ''थोड़ी देर आराम करके यहाँ से चले जाएँगे।''

ग– ''भैया, मैं तो मर रहा हूँ। तुम्हें उड़ान की पड़ी है।'

प्र.9. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ –

क. घमण्डी का अर्थ है –

अ. अच्छा

ब. अभिमानी

स. खराब

ख. गंगा नाम है –

अ. तालाब का

ब. नदी का

स. पेड़ का

ग. काँपना का अर्थ है –

अ. तेज दौड़ना

ब. जल्दी–जल्दी साँसे भरना

स. कँपकँपी

भाषा–अध्ययन एवं व्याकरण

प्र.1 नीचे लिखे अंश को पढ़ो। उसमें आए नामों को नीचे दी गई तालिका में लिखो।

"अंशुल बिलासपुर में रहता है। वत्सल का घर रायपुर में है। दोनों गर्मी की छुट्टियों में दिल्ली गए। दिल्ली में उनकी किरण मौसी रहती हैं। किरण मौसी के साथ दोनों दिल्ली घूमे। दिल्ली में उन्होंने कुतुबमीनार, लाल किला देखा। सभी लोग गांधी जी की समाधि देखने राजघाट भी गए। मौसी ने अंशुल और वत्सल के लिए बाजार से किताब, बस्ता और पेन खरीदा।

क– व्यक्तियों के नाम	ख– वस्तुओं के नाम	ग– स्थानों के नाम
.....	.....	.....
.....	.....	.....

प्र.2 पेड़ से क्या – क्या फायदे हैं ? लिखो।

क्र.	पेड़ का नाम	लाभ

योग्यता विस्तार

कहानी बनाओं–

विद्यालय, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, नदी, तोता, मेंढक

इन शब्दों को पढ़कर तुम्हारे मन में कुछ बातें आई होंगी । इन सब चीजों के बारे में एक छोटी सी कहानी बनाओ और अपने साथियों को सुनाओ ।

3ZJZQC

शिक्षण–संकेत

- बच्चों को समूह में पढ़ने का अवसर दें।
- एक विद्यार्थी को हंस और दूसरे को कौए के रूप में खड़ा करें और पाठ के अनुसार वार्तालाप कराएँ।
- कौए और हंस की विशेषताएँ पूछें और बताएँ।
- कहानी को नाटक के रूप में बदलकर अभिनय कराएँ।
- कौए और हंस के चित्र खोजकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।